भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2257
उत्तर देने की तारीख 20 मार्च, 2025

संचार साथी पोर्टल की प्रभावशीलता

2257. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या *संचार* मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) संचार साथी पोर्टल की शुरुआत के बाद से इसके माध्यम से कितने धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शनों, हैंडसेट्स, बड़ी संख्या में एसएमएस भेजने वाले व्यक्तियों और व्हाट्सएप अकाउंटों की पहचान की गई है और उन्हें ब्लॉक किया गया है;
(ख) 'चक्षु' के माध्यम से प्राप्त शिकायत की जांच करने और उस पर कार्रवाई करने में दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा लिया गया औसत समय कितना है;
(ग) यदि कोई उपयोगकर्ता की गई कार्रवाई से असंतुष्ट है तो क्या उसके लिए कोई शिकायत निवारण तंत्र मौजूद है; और
(घ) क्या सरकार धोखाधड़ी वाले संचार का तत्काल पता लगाने और उसे ब्लॉक करने के लिए संचार साथी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) को एकीकृत करने की योजना बना रही है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) दूरसंचार विभाग (डीओटी) अपने संचार साथी पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को चक्षु सुविधा पर संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट करने की सुविधा प्रदान करता है। संचार साथी पहल के तहत, दूरसंचार विभाग कई विश्लेषण करता है और ऐसे दूरसंचार संसाधनों पर कार्रवाई करता है जो दुरुपयोग से जुड़े पाए गए हैं। संचार साथी के परिणाम इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	मद का ब्यौरा	परिणाम
1.	डिस्कनेक्ट किए गए कुल मोबाइल नंबर	3.40 करोड़
	क. एआई आधारित टूल एएसटीआर विश्लेषण के आधार पर काटे गए मोबाइल कनेक्शन	0.78 करोड़
	ख. अन्य हितधारकों से प्राप्त जानकारियों के आधार पर काटे गए मोबाइल कनेक्शन	0.53 करोड़
	ग. व्यक्तिगत सीमा से अधिक पाए जाने पर काटे गए मोबाइल कनेक्शन	1.19 करोड़
	घ. संचार साथी पर नागरिकों के फीडबैक (मेरा नंबर नहीं + आवश्यक नहीं) के आधार पर काटे गए मोबाइल कनेक्शन	0.90 करोड़
2.	मोबाइल हैंडसेटों की ब्लॉक की गई अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (आईएमईआई)	3.19 लाख
3.	ब्लैकलिस्ट किए गए बल्क एसएमएस प्रेषक (प्रमुख संस्थाएँ)	20,096
4.	व्हाट्सएप द्वारा साझा मोबाइल कनेक्शन से जुड़े बंद किए गए प्रोफ़ाइल/ अकाउंट	16.97 लाख

(ख) और (ग) व्यक्तिगत रूप से रिपोर्ट किए गए संदिग्ध धोखाधड़ी संचार पर कार्रवाई करने के बजाय, दूरसंचार विभाग विश्लेषण करने और दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को कम करने के लिए सर्वसाधारण से एकत्र किये गए डेटा का उपयोग करता है। इस तरह के विश्लेषण के आधार पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा संचार साथी पोर्टल के डैशबोर्ड पर उपलब्ध है। आम तौर पर मोबाइल उपयोगकर्ता को पुनः सत्यापन का अवसर देने के बाद कार्रवाई की जाती है।

(घ) संचार साथी पहल के एक भाग के रूप में, दूरसंचार विभाग जाली दस्तावेजों के आधार पर लिए गए संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों की पहचान करने के लिए एआई आधारित टूल

और बिग डेटा विश्लेषण का उपयोग करता है। इसके अलावा दूरसंचार विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों जिनमें भारतीय मोबाइल नंबर डिस्प्ले होता है और जो भारत से ही की हुई प्रतीत होती हैं की वास्तविक समय में पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए एक प्रणाली तैयार की है।

***